

असधारम EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

## प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 5

नई विल्ली, मंगलवार, जनवरो 3, 1995/पौष 13, 1916

No. 5]

NEW DELFH, TUESDAY, JANUARY 3, 1995/PAUSA 13, 1916 

भारतोय प्रतिभृति और विनिमय बोर्ड

ग्रधिस्चना

बम्बई, 3 जनवरी, 1995

का.मा. 5(म्र)--भारतीय प्रतिभृति और विनिमय बोर्ड, प्रतिभृति संविदा (विनियमन) नियस. 1957 के नियम 7 के सन्थ पठित, प्रतिभृति संविदा (विनियमन) म्राधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 3 के मधीन इसे दी गयी मान्यता के नवीकरण के लिये जयपुर स्टॉक एक्सवेंज लिमिटेड, जयपुर (इसमें इसके पश्चात एक्सचेंज निर्दिष्ट होगा) द्वारा किये गये ग्रावेदन पर विचार करके और कथित ग्रधिनियम की धारा 4 द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे तुष्ट होकर कियह व्यापार

## SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

## **NOTIFICATION**

Bombay, the 3rd January, 1995

S.O. 4(E).—Securities and Exchange Board of India, having considered the application for renewal of recognition made under Section 3 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956) read with Rule 7 of the Securities Contracts (Regulation), Rules, 1957, by Vadodara S'ock Exchange Limited, Baroda (herein after referred to as 'the Exchange)' and in exercise of the powers conferred by Section 4 of the said Act, being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants recognition to the Exchange under Section 4 of the said Act for a further period of two years commencing on the 5th day of January, 1995 and ending on the 4th day of January, 1997 in respect of contrac's in securities.

[F. No. 1|51|SE|94]

S. S. NADKARNI, Chairman